>

Title: Problems being faced by the farmers due to drought and flood situation in various parts of the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, आज इस सम्मानित सदन का पहला दिन है और इस सदन में एक अत्यन्त अविलम्बनीय लोक-महत्व के सुनिश्चित प्रश्न पर आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

अभी माननीय मुरली मनोहर जोशी जी खेती के बारे में कह रहे थे कि खेती को लाभप्रद बनाना होगा, तभी किसानो को आत्महत्या से बचाया जा सकता है या किसानो को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। यह बात तो कदाचित बिल्कुल सही है, लेकिन व्यावहारिक जो है, वह यह है कि आज भी किसान प्रकृति पर निर्भर है। आज भी किसान 60 से 70 प्रतिशत, चाहे सिंचाई हो, आज भी वह केवल नेचर या बारिश पर ही निर्भर है, लेकिन इस समय यह विडम्बना है कि इस मानसून सैशन में पिछले महीने तक 23 परसेंट जो सामान्य मानसून होना चाहिए, उससे कम बारिश हुई है, जिसके कारण महाराष्ट्र, गुजरात या बहुत से राज्यों में सूखे की स्थिति हो गई। विडम्बना देखिये कि देश के काफी बड़े हिस्से में एक तरफ सूखा है तो दूसरी तरफ देश के दूसरे बड़े हिस्से में बाढ़ की विभीषिका आ गई है। आज उत्तर प्रदेश हो, उत्तराखण्ड हो, मध्य प्रदेश हो, वहां जन-धन का नुकसान हो रहा है। उत्तराखण्ड में बादल फटने से 28 लोगों की मौत हो गई और सैंकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। भागीरथी से, नेपाल से जिस तरह से जल का प्रवाह हुआ है, हम सब ने देखा कि किस तरह से वहां पर बहुत नुकसान हुआ है। आज उत्तर प्रदेश में घाघरा में खतरे के निशान से एक-डेढ़ मीटर पानी ऊपर बह रहा है। आज बाराबंकी के कई गांव जलमग्न हो चुके हैं और वहां जो कार्य है, लोग जिस तरीके से बाढ़ में फंसे हुए हैं, उनकी विभीषिका की भी वह परिस्थिति नहीं बन पाई। जो पूर्वी उत्तर प्रदेश है, जहां नेपाल का पानी आता है, जब नेपाल में बारिश होती है या नेपाल की जो बाणगंगा नदी है, करनाली है, जलकुंडी है, इन नदियों में जब पानी छोड़ा जाता है तो चाहे सिद्धार्थनगर हो, महाराजगंज हो, बलरामपुर हो, ये जलमग्न हो जाते हैं।

पिछले दिनों जो बुद्धिस्ट सर्किट का मार्ग है, जो गोरखपुर से बलरामपुर होते हुए, श्रावस्ती होते हुए बहराइच तक जाता है, एक-डेढ़ मीटर पानी उस सड़क पर बह रहा था और उससे सिद्धार्थनगर के सैंकड़ों गांव जलमग्न हो गये, जिसके कारण गणेशपुर के पास, सिसवा के पास और पूरे जो गांव हैं, फलौरा, गुल्हौरा, करचुलिया, बसहिया, मैं इन गांवों की तरफ सरकार की तवज्जह दिलाना चाहता हूं कि जलमग्न होने के कारण वे गांव प्रभावित हैं, लोग सुरक्षित स्थान पर भी नहीं आ सके हैं।

आज चाहे मध्य प्रदेश हो, असम हो या भागीरथी नदी हो, आज सेना भी वहां काम कर रही है तो आज बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके कारण चाहे उत्तर प्रदेश की सरयू नदी हो, चाहे घाघरा हो, आज ये सब नदियां खतरे के निशान से एक मीटर, कोई डेढ़ मीटर ऊपर बह रही हैं, जिससे लाखों जनसंख्या प्रभावित हुई है। इससे एक तरफ फसल का भी नुकसान हो रहा है, चूंकि किसान अपनी मेहनत से, परिश्रम से और अपनी कमाई से...(व्यवधान)

SHRIMATI BOTCHA JHANSI LAKSHMI (VIZIANAGARAM): The situation is same in Andhra Pradesh.

SHRI JAGDAMBIKA PAL : My sister is saying that Andhra Pradesh is also affected.

MR. CHAIRMAN: You may just tell what you want from the Government.

श्री जगदम्बिका पाल : हम यह चाहते हैं कि निश्चित तौर पर राहत कार्य शुरू किए जाएं। मैं चाहता हूं कि कुछ सेंट्रल फाइनेंस की भी मदद हो। जो बाढ़ से नुकसान हुआ है, उनकी क्षतिपूर्ति हो या रिहैबिलिटेशन का काम हो। उनके घर उजड़ गए हैं, क्योंकि वहां कटान हो रही है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज घाघरा में, सरयू में, बूढ़ी राप्ती जो सिद्धार्थ नगर में है, उन नदियों में बूढ़ी राप्ती के कई जगहों पर जैसे गणमौर में है, लोटन में है, डागापुर में है, आदि गांवों में जिस तरह से कटान हो रही है, उससे आधे-आधे गांव नदी में विलीन हो गए हैं। अब स्वाभाविक है कि उनके पास आज न रहने की जगह है, अनाज की बात तो अलग है, आज उनके घर भी नदी की उस धारा में विलीन हो चुके हैं। उनके समक्ष बहुत बड़ी समस्या है। यह जीडीपी को भी प्रभावित करेगा। कम से कम जो आज अनुमान है, एग्रीकल्चर रिपोर्ट के अनुसार इस बार सूखे और बाढ़ की स्थिति के कारण 2.8 परसेंट तक इसको प्रभावित करेगा और कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करेगा। यह सबकी चिंता है।

आज उत्तर प्रदेश में मेरे तमाम साथी हैं जो इस बार सदन के सदस्य हैं, वे सब इस पर सहमति व्यक्त करेंगे कि जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपद हैं, जिनके बारे में महत्वपूर्ण ढंग से मैं कहना चाहता हूं कि सिद्धार्थ नगर है, सिद्धार्थ नगर की आधी से ज्यादा आबादी बाढ़ से प्रभावित हो चुकी है, जिसमें राप्ती है, बूढ़ी राप्ती है और हमारी दूसरी नदियां हैं। आखिरी बात कहकर मैं कंक्ल्यूड करूंगा। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: What do you want? You are speaking for the last five minutes. Nothing will go in record.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. CHAIRMAN:

Shri P.L. Punia and

Shrimati Botcha Jhansi Lakshmi may be allowed to associate themselves with the matter raised by Shri Jagdambika Pal.